दैनिक विश्व मानव सहारनपुर बुधवार, 28 जनवरी 2026

मुजफ्फरनगर

सूली वाला बाग आंदोलन जहीर की तस्पया, इसे बेकार नहीं जाने देंगे : राकेश टिकैत

77वें गणतंत्र दिवस पर पुरकाजी में हुआ विशाल ट्रैक्टर मार्च, शहीदों के सम्मान में सड़कों पर उतरा जनसैलाब

राकेश टिकैत ने सरकारों से की सूली वाला बाग को शहीद स्थल घोषित करने की मांग, कहा–युवा लेंगे प्रेरणा

विश्व मानव संवाददाता

मुजफ्फरनगर। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरकाजी कस्बे में अमर शहीदों के सम्मान में नगर पंचायत के चेयरमैन जहीर फारूकी के नेतृत्व में सूली वाला बाग को शहीद स्मारक बनाने की मांग के लिए एक विशाल ट्रैक्टर तिरंगा मार्च निकाला गया। इसमें मुख्य अतिथि भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत रहे। इस मार्च में सैकड़ों ट्रैक्टर, ट्राली के साथ ही क्रेन, ड्रोन और बुलडोजर लेकर हजारों लोग, किसान, मजदूर और व्यापारी तिरंगे के साथ शामिल हुए। देशभक्तो के जनसैलाब के साथ ये मार्च बस स्टैंड से शुरू होकर सूली वाला बाग पर जाकर समाप्त हुआ, जहां एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। मार्च के दौरान किसान नेता राकेश टिकैत ने जिला प्रशासन से मांग की कि सूली वाला बाग को शहीद स्थल घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बाग में अंग्रेजों ने मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और मेरठ के 500 स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी थी, और देश की आजादी के आंदोलन में एक बड़ी भूमिका तथा बलिदान के गवाह इस ऐतिहासिक स्थल को शहीद स्मारक के रूप में संरक्षित करना आवश्यक है। राकेश टिकैत ने मीडिया से बात करते हुए कहा, दिल्ली की परेड जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी पुरकाजी की परेड भी है। शहीद स्मारक यहां बनना चाहिए और यहां पर स्वतंत्रता आंदोलन के बलिदान को सहेजने वाले उन पेड़ों को भी संरक्षित किया जाना चाहिए, जिन पर देशवासियों को अंग्रेज अफसरों द्वारा फांसी दी गई थी। इससे हमारे नौजवान देश के इतिहास को समझ सकेंगे और राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने के लिए यह बाग एक प्रेरक स्थल भी बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश में कई ऐसे स्थल हैं, जहां स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी गई थी, और उन्हें संरक्षित कर युवाओं को इतिहास से जोड़ा जाना चाहिए। राकेश टिकैत ने कहा कि सूली वाला बाग का आंदोलन चेयरमैन जहीर फारूकी की दस साल की तपस्या है, जहीर ने ही अकेले खड़े होकर भुला दिए गए

अमर शहीदों के इस बलिदान को जीवित किया और कुर्बानी के इस बडे इतिहास को खोजने का काम किया है। उनके इस संघर्ष को हम बेकार नहीं होने देंगे। जहीर फारूकी की यह मुहिम आज एक जन आंदोलन बन चुकी है और इस तिरंगा यात्रा में उमड़ा हजारों लोगों का यह सैलाब इस बात की गवाही दे रहा है। जहीर फारूकी ने अपने संबोधन में कहा कि ये इस देश और क्षेत्र की बदकिस्मती है कि देश की आजादी के लिए अंग्रेज हुकुमत के जुल्म का शिक. ार हुए शहीदों को भी भुलाया जा रहा है। सूली वाला बाग का बलिदान जलियावाला बाग के कमतर नहीं है, लेकिन इसके लिए सरकार कोई भी सकारात्मक पहल नहीं कर रही है। देश की आजादी के बाद से जितनी भी सरकार आई सूली वाला बाग की शहादत को गंभीरता से नहीं लिया गया, हम आखिरी सांस तक इन शहीदों के सम्मान की लड़ाई लड़ते रहेंगे। इस दौरान केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार के नाम एडीएम फाइनेंस गजेन्द्र सिंह को राकेश टिकैत और जहीर फारूकी ने सूली वाला बाग को शहीद स्मारक बनाने की मांग का ज्ञापन सौंपा। एडीएम ने कहा कि उन्होंने भी अपनी विद्यालयी शिक्षा में एनसीईआरटी की किताबों में सूली वाला बाग के शहीदों के बारे में पढ़ा है। यह एक बड़ी कुर्बानी थी। वो भरोसा दिलाते हैं कि प्रशासन के स्तर से जो भी इसके लिए बन सकेगा वो किया जायेगा और इस ज्ञापन को उचित माध्यम से केन्द्र सरकार तक पहुंचाने का काम होगा। इस तिरंगा यात्रा के दौरान पुरकाजी और आसपास के गांवों से हजारों लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। इसमें सभी वर्गों के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर जहीर फारूकी के आंदोलन को एक नई ताकत देने का काम किया। भीड़ के लिहाज से इस बार भी जहीर फारूकी ने नया रिकॉर्ड कायम किया। वैश्य समाज के लोगों की ओर से तिरंगा यात्रा पर अलग अलग स्थानों पर पांच ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई। खादर तिराहे पर क्रेन से फूलों की बारिश हुई। इसके अलावा व्यापारियों और समाज के अन्य लोगों ने पुष्प वर्षा की और मिष्ठान वितरित किया गया। बता दें कि जहीर फारूकी एडवोकेट द्वारा पुरकाजी का ऐतिहा. सिक महत्व वाला और सैंकड़ों सेनानियों के बलिदान का इतिहास समेटकर रखने वाला सूली वाला बाग को बदहाली से निकालकर इसके लिए एक आंदोलन खड़ा किया। जहीर फारूकी पहली बार 2016 को सूली वाला बाग के अमर शहीदों के सम्मान में आवाज उठाने के लिए सड़कों पर उतरे और लोगों को जोड़ने का काम किया था। इस बाग को अंग्रेजों के अत्याचार और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान की याद दिलाने वाला स्थल माना जाता है। जहीर फारूकी का कहना है कि ऐसे स्थलों को संरक्षित करके युवाओं में देशभक्ति और इतिहास की समझ पैदा की जा सकती है। इस एक दशक में जहीर ने इस मुहिम को घर घर तक पहुंचाने में सफलता अर्जित की है।

तिरंगा यात्रा में छाया सूली वाला बाग पर बनवाया गया देशभक्ति गीत

विश्व मानव संवाददाता

मुजफ्फरनगर। चेयरमैन जहीर फारुकी ने इस बार सूली वाला बाग के आंदोलन को हर घर तक पहुंचाने और लोगों की जुबां पर इन शहीदों के बलिदान को नई ताजगी देने के लिए शहादत के इस इतिहास पर एक देशभक्ति गीत भी बनवाया, जो इस तिरंगा यात्रा के दौरान पूरी तरह से छाया रहा। इस गीत को मुंबई के उबेद आजमी ने लिखा है तथा इसके संगीतकार मुंबई के हुमायूं कबीर हैं। गायक मुंबई के रहमान अली ने इस गीत को अपनी आवाज दी है तथा इसके प्रोड्यूसर खुद चेयरमैन जहीर फारुकी हैं। सूली वाला बाग पर बने स्टेज से मुंबई के गायक रहमान अली ने पुरकाजी की जनता को अपने देशभक्ति के गीतों से दिल जीत लिया। रहमान अली ने सूली वाला बाग पर बने इस देशभक्ति गीत को भी सुनाया। जिस पर पुरकाजी की जनता ने भी रहमान अली के साथ गीत गाकर भरपूर साथ दिया।

गणतंत्र दिवस पर शहीदों की याद मे तिरंगा यात्रा ने तोड़ा रिकार्ड

चर्चित सूलीवाला बाग को शहीदी स्थल का दर्जा दिलाने को लेकर निकाली गई तिरंगा यात्रा

बच्चों से लेकर बड़ों तक पर चढ़ा भक्ति का रंग

शाह टाइम्स संवाददाता

भक्तिके रंग मे रंगी तिरंगा यात्रा मै सैकडो ट्रैक्टरों पर सवार, तथा हजारो देश भक्त युवा तथा बुजर्ग हाथों में तिरंगा और देशभक्ति के नारों के साथ तिरंगा यात्रा मे भारी उत्साह और जोश के साथ पैदल चल रहे थे। चारो ओर देशभक्ति का जनून था माहौल उस समय और अधिक जोशीला हो गया जब भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत तिरंगा यात्रा में शामिल होकर चैयरमैन जहीर फारूकी के साथ पैदल चल रहे थे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान समाज की भारी भागीदारी ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। शहीदों की इतिहास की धरो. हर को कंगला है कहा की फारूकी ने अंग्रेजों के क्रूर शासन को सभी को बताया कि कैसे अंग्रेजों ने यहां देशभक्ति पर अत्याचार किए थे और कहा की जहीर फारूकी की 10 साल की तपस्या को जय नहीं होने दिया जाएगा देशभक्ति हमारा धर्म है इस धर्म को जिंदा दिल से निभाने की कि जिंदा मिसाल जहीर फारूकी है तिरंगा यात्रा का खादर तिराहे पर विशेष पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया चेयरमैन जहीर फारुकी ने कहा कि हम सभी को तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश की एकता अखंडताओं शहीदों के बलिदान को याद करना चाहिए तिरंगा यात्रा में शामिल हजारों लोगों का

फारूकी तथा भाकियु राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत द्वारा अपर जिलाधिकारी को सूलीवाला बाग को शहीदी स्थल का दर्जा दिलाने के लिए ज्ञापन सोपा गया है तथा कहा है कि जो कौम अपने शहीदों को याद नहीं रखती, वह अपना भविष्य भी खो देती है।

सूली वाला बाग को शहीद स्थल का दर्जा दिलाना हमारा हक और फर्ज दोनों है। यह तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि इतिहास, राष्ट्रवाद और स्थानीय गौरव का जीवंत संगम बनकर उभरी है । मुंबई से आए गायको ने देश भक्ति गीतों को गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष नवीन राठी, जिला उपाध्यक्ष, प्रदीप कौशिक, हाफिज मो. हसिन, आदिल फरीदी, आजाद फरीदी, मेंबर शाहनवाज खान, अतर अमीन, शाह आलम, गोडआलम मेंबर, मनीष गोयल, दीपक माहेश्वरी, संजय शर्मा, सुलेमान मेंबरश याद मेंबर रियासत अली, अफसर अली, पूर्व प्रधान गोदना, कामिल प्रधान, आरिफ खान, नदीम मेंबर, कमल कुमार , वंश अग्रवाल, निखिल, पप्पू परचुन, आलम कुरेशी, निसार मेंबर, तौसीफ फारुकी, शमशेर फरीदी, हाफिज मोहसिन, मरगूब आलम, भौजाहेडी व हजारों की संख्या में देशभक्ति मौजूद रहे।

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

प्रवीण

हिंदी दैनिक केन्द्र, रेलवे व उत्तर प्रदेश सरकार से विज्ञापनों तथा अदालती समन के लिए मान्यता प्राप्त

नयन जागृति

लोकतंत्र का सजग प्रहरी

RNI No.: UPHIN/2010/33120

वर्ष 17, अंक-05 मुजफ्फरनगर बुधवार 28 जनवरी 2026 nayanjagrati@yahoo.in www.nayanjagriti.com

डिवाइडर तोड़ते दूसरी लेन की गाड़ी से जा भिड़ा बेकाबू ट्रेलर

महराजगंज (बस्ती)। लखनऊ–गोरखपुर फोरलेन पर हरैया बाईपास पर रविवार की रात दो ट्रेलर की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की पहिए के नीचे आ जान से मौत हो गई जबकि गोरखपुर की ओर जा रहे ट्रेलर का चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। कुशीनगर का रहने वाला एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया। हादसे के बाद लखनऊ से गोरखपुर की ओर जाने वाली लेन में लंबा जाम लग गया। हरैया पुलिस और एनएचएआई की टीम देर रात तक आवागमन बहाल कराने में जुटी रही। हरैया थाना क्षेत्र के बाईपास पर विशाल नर्सिंग होम के सामने रविवार की रात गोरखपुर से अयोध्या की तरफ जा रहे ट्रेलर का एक टायर अचानक फट गया। बताया जा रहा है कि बेकाबू ट्रेलर डिवाइडर तोड़ता हुआ दूसरी लेन में चला गया और अयोध्या से गोरखपुर की ओर जा रहे दूसरे ट्रेलर से उसकी भिड़ंत हो गई।

सूली वाला बाग आंदोलन जहीर की तस्पया इसे बेकार नहीं जाने देंगे : राकेश टिकैत

77वें गणतंत्र दिवस पर पुरकाजी में हुआ विशाल ट्रैक्टर मार्च, शहीदों के सम्मान में सड़कों पर उतरा जनसैलाब

राकेश टिकैत ने सरकारों से की सूली वाला बाग को शहीद स्थल घोषित करने की मांग, कहा–युवा लेंगे प्रेरणा

नयन जागृति संवाददाता

मुजफ्फरनगर। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरकाजी कस्बे में अमर शहीदों के सम्मान में नगर पंचायत के चेयरमैन जहीर फारूकी के नेतृत्व में सूली वाला बाग को शहीद स्मारक बनाने की मांग के लिए एक विशाल ट्रैक्टर तिरंगा मार्च निक. ाला गया। इसमें मुख्य अतिथि भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत रहे। इस मार्च में सैकड़ों ट्रैक्टर, ट्राली के साथ ही क्रेन, ड्रोन और बुलडोजर लेकर हजारों लोग, किसान, मजदूर और व्यापारी तिरंगे के साथ शामिल हुए। देशभक्तो के जनसैलाब के साथ ये मार्च बस स्टैंड से शुरू होकर सूली वाला बाग पर जाकर समाप्त हुआ, जहां एक विशेष सभा का आयोजन किया गया।

मार्च के दौरान किसान नेता राकेश टिकैत ने जिला प्रशासन से मांग की कि सूली वाला बाग को शहीद स्थल घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बाग में अंग्रेजों ने मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और मेरठ के 500 स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी थी, और देश की आजादी के आंदोलन में एक बड़ी भूमिका तथा बलिदान के गवाह इस ऐतिहासिक स्थल को

तिरंगा यात्रा में छाया सूली वाला बाग पर बनवाया गया देशभक्ति गीत

मुजफ्फरनगर। चेयरमैन जहीर फारुकी ने इस बार सूली वाला बाग के आंदोलन को हर घर तक पहुंचाने और लोगों की जुबां पर इन शहीदों के बलिदान को नई ताजगी देने के लिए शहादत के इस इतिहास पर एक देशभक्ति गीत भी बनवाया, जो इस तिरंगा यात्रा के दौरान पूरी तरह से छाया रहा। इस गीत को मुंबई के उबेद आजमी ने लिखा है तथा इसके संगीतकार मुंबई के हुमायूं कबीर हैं। गायक मुंबई के रहमान अली ने इस गीत को अपनी आवाज दी है तथा इसके प्रोड्यूसर खुद चेयरमैन जहीर फारुकी हैं। सूली वाला बाग पर बने स्टेज से मुंबई के गायक रहमान अली ने पुरकाजी की जनता को

जितनी भी सरकार आई सूली वाला बाग की शहादत को गंभीरता से नहीं लिया गया, हम आखिरी सांस तक इन शहीदों के सम्मान की लड़ाई लड़ते रहेंगे। इस दौरान केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार के नाम एडीएम फाइनेंस गजेन्द्र सिंह को राकेश टिकैत और जहीर फारूकी ने सूली वाला बाग को शहीद स्मारक बनाने की मांग का ज्ञापन सौंपा। एडीएम ने कहा कि उन्होंने भी अपनी विद्यालयी शिक्षा में एनसीईआरटी की किताबों में सूली वाला बाग के शहीदों के बारे में पढ़ा है। यह एक बड़ी कुर्बानी थी। वो भरोसा दिलाते हैं कि प्रशासन के स्तर से जो भी इसके लिए बन सकेगा वो किया जायेगा और इस ज्ञापन को उचित माध्यम से केन्द्र सरकार तक पहुंचाने का काम होगा। इस तिरंगा यात्रा के दौरान पुरकाजी और आसपास के गांवों से हजारों लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। इसमें सभी वर्गों के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर जहीर फारूकी के आंदोलन को एक नई ताकत देने का काम किया। भीड़ के लिहाज से इस बार भी जहीर फारूकी ने नया रिकॉर्ड कायम किया। वैश्य समाज के लोगों की ओर से तिरंगा यात्रा पर अलग अलग स्थानों पर पांच ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई। खादर तिराहे पर क्रेन से फूलों की बारिश हुई। इसके अलावा व्यापारियों और समाज के

जहीर फारुकी के नेतृत्व में सूली वाला बाग में उमड़ा जनसैलाब

तिरंगा यात्रा निकालकर ध्वजारोहण किया गया, हजारों लोगों ने पहुंचकर शहीदों को किया नमन

पुरकाजी(पश्चिमी प्रान्त बुलेटिन सं.)। गणतंत्र दिवस केअवसर पर पुरकाजी के रोडवेज बस स्टैंड से लेकर सूली वालाबाग तक अपार जनसैलाब के साथ जहीर फारुकी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकालकर ध्वजारोहण किया गया जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की अध्यक्षता भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने की सभी जाति धर्म के हजारों लोगों ने इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में भाग लिया जहीर फारुकी ने पुरकाजी के लोगों में राष्ट्रप्रेम की ऐसी भावना जागृत कर दी है कि पूरा पुरकाजी जहीर के आह्वान पर तिरंगा यात्रा में उमड़ जाता है सूली वाला भाग तक जगह जगह कस्बे के व्यापारियों और संभ्रांत नागरिकों ने गले में फूल मालाएं डालकर मिष्ठान खिलाकर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया वैश्य समाज द्वारा पांच ड्रोन से तथा मरगूब और अनीस द्वारा खादर तिराहे पर क्रेन से तिरंगा यात्रा पुष्पवर्षा की गई जो मुख्य आकर्षण का केंद्र रही सामूहिक राष्ट्रगान के बाद जनता को संबोधित करते हुए चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि चेयरमैन जहीर फारूकी ने सूली वाला बाग के इतिहास को जन जन तक पहुंचाया है दस साल से सूली वाला बाग के लिए जहीर फारूकी तपस्या कर रहे हैं इनकी तपस्या को जाया नहीं होने देंगे जहीर फारुकी चेयरमैन पुरकाजी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि हम सब लोग पिछले दस सालों से हजारों की तादाद में सली वाला बैग पर इकट्ठा होते हैं हमारा यही उद्देश्य होता है कि जिस जगह पर देश को आजाद करने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों की आहुति दी हो उस ऐतिहासिक स्थल को संग्रहित करके वहां शहीद स्थल बनाया जाए हम सभी लोग पिछले 10 सालों से सूली वाला बाग को शहीद स्थल बनाने की मांग को लेकर और देश को आजाद करने में अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा दिलाने की मांग कर रहे हैं यह दोनों मांगे राष्ट्रीय हित और राष्ट्र प्रेम से जुड़ी हुई है कार्यक्रम के अंदर मुंबई से आए गायको रहमान अली और हुमायूं कबीर ने देशभक्ति के गीत गाकर सबको देशभक्ति के रंग में रंग दिया कार्यक्रम के अंत में सूली वाला बाग को शहीद स्थल बनाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री भारत सरकार और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित एक ज्ञापन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र सिंह को सौंपा गया। ज्ञापन ग्रहण करके अपर जिलाधिकारी गजेंद्र सिंह ने कहा कि सूली वाला बाग का इतिहास किताबों में पढ़ा है किस तरह यातनाएं देकर शोभाराम त्यागी जी जैसे क्रांतिकारियों को शहीद किया गया इस भाग में आकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं ज्ञापन को विधिवत रूप से सरकार को भेज दिया जाएगा।

वहीं पुरकाजी में निकाली गई इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों के अपार जनसमूह के सड़क पर उतर जाने से पूरी सड़क देश भक्तों से भर गई इतनी बड़ी तिरंगा यात्रा पहले कभी जनपद मुजफ्फरनगर में नहीं निकली है इस तिरंगा यात्रा में सभी जाति धर्म और सभी वर्गों के लोगों ने दिल खोलकर भाग लिया ।चेयरमैन जहीर फारूकी के सभासदों एवं समर्थकों,विक्की मेम्बर,सावन ,निसार अहमद, शाहलम गौड, इस्तखार , सैयाद, सुलेमान, नदीम, आजाद फरीदी, आलम ,रियासत, कमल, शाहनवाज खान, आदिल फरीदी, आकाश ,हाफिज मोहसिन, वंश अग्रवाल, इनाम फरीदी, अमित, निखिल गोयल, ने इस तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए जबरदस्त मेहनत की। इसके अलावा इस दौरान जिलाध्यक्ष नवीन राठी, ब्लाक अध्यक्ष मोनू प्रधान, अतहर हुसैन, राशिद हुसैन,फरहत हुसैन, हाफिज वली उल्लाह काजमी,मोहम्मद अली , अंजार हुसैन एड.नजम अली, सलीम अहमद, नवेद आलम, इरशाद,डॉ फैसल, खुर्रम, तलहा अतहर, अर्शी, सरवर हुसैन, अनवर हुसैन ,मोइन अख्तर,सलमान, अली, गुरूमेल बाजवा, मनीष गोयल, लवी अग्रवाल ,धीरज गर्ग ,शहजाद फरीदी, तनवीर आलम ,कामिल प्रधान ,डॉक्टर महावीर प्रसाद वर्मा ,दीपक माहेश्वरी, ताहिर राठी, मास्टर इरफान मलिक, कमर आलम , सद्दू गौर ,सद्दाम फरीदी , कमर आलम मोइन अख्तर अंसारी,शकील अहमद अंसारी, शईद अंसारी, हाफिज जुल्फिक्कार ,चौधरी विवेक राठी, उस्मान गनी , आदि हजारों लोग कार्यक्रम में शामिल रहे। गणतंत्र दिवस केअवसर पर पुरकाजी के रोडवेज बस स्टैंड से लेकर सूली वालाबाग तक अपार जनसैलाब के साथ जहीर फारुकी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकालकर ध्वजारोहण किया गया जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की अध्यक्षता भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने की सभी जाति धर्म के हजारों लोगों ने इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में भाग लिया जहीर फारुकी ने पुरकाजी के लोगों में राष्ट्रप्रेम की ऐसी भावना जागृत कर दी है कि पूरा पुरकाजी जहीर के आह्वान पर तिरंगा यात्रा में उमड़ जाता है सूली वाला भाग तक जगह जगह कस्बे के व्यापारियों और संभ्रांत नागरिकों ने गले में फूल मालाएं डालकर मिष्ठान खिलाकर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया वैश्य समाज द्वारा पांच ड्रोन से तथा मरगूब और अनीस द्वारा खादर तिराहे पर क्रेन से तिरंगा यात्रा पुष्पवर्षा की गई जो मुख्य आकर्षण का केंद्र रही सामूहिक राष्ट्रगान के बाद जनता को संबोधित करते हुए चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि चेयरमैन जहीर फारूकी ने सूली वाला बाग के इतिहास को जन जन तक पहुंचाया है दस साल से सूली वाला बाग के लिए जहीर फारूकी तपस्या कर रहे हैं इनकी तपस्या को जाया नहीं होने देंगे जहीर फारुकी चेयरमैन पुरकाजी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि हम सब लोग पिछले दस सालों से हजारों की तादाद में सली वाला बैग पर इकट्ठा होते हैं हमारा यही उद्देश्य होता है कि जिस जगह पर देश को आजाद करने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपने प्राणों की आहुति दी हो उस ऐतिहासिक स्थल को संग्रहित करके वहां शहीद स्थल बनाया जाए हम सभी लोग पिछले 10 सालों से सूली वाला बाग को शहीद स्थल बनाने की मांग को लेकर और देश को आजाद करने में अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा दिलाने की मांग कर रहे हैं यह दोनों मांगे राष्ट्रीय हित और राष्ट्र प्रेम से जुड़ी हुई है कार्यक्रम के अंदर मुंबई से आए गायको रहमान अली और हुमायूं कबीर ने देशभक्ति के गीत गाकर सबको देशभक्ति के रंग में रंग दिया कार्यक्रम के अंत में सूली वाला बाग को शहीद स्थल बनाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री भारत सरकार और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित एक ज्ञापन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र सिंह को सौंपा गया। ज्ञापन ग्रहण करके अपर जिलाधिकारी गजेंद्र सिंह ने कहा कि सूली वाला बाग का इतिहास किताबों में पढ़ा है किस तरह यातनाएं देकर शोभाराम त्यागी जी जैसे क्रांतिकारियों को शहीद किया गया इस भाग में आकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं ज्ञापन को विधिवत रूप से सरकार को भेज दिया जाएगा।

वहीं पुरकाजी में निकाली गई इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में हजारों लोगों के अपार जनसमूह के सड़क पर उतर जाने से पूरी सड़क देश भक्तों से भर गई इतनी बड़ी तिरंगा यात्रा पहले कभी जनपद मुजफ्फरनगर में नहीं निकली है इस तिरंगा यात्रा में सभी जाति धर्म और सभी वर्गों के लोगों ने दिल खोलकर भाग लिया ।चेयरमैन जहीर फारूकी के सभासदों एवं समर्थकों,विक्की मेम्बर,सावन ,निसार अहमद, शाहलम गौड, इस्तखार , सैयाद, सुलेमान, नदीम, आजाद फरीदी, आलम ,रियासत, कमल, शाहनवाज खान, आदिल फरीदी, आकाश ,हाफिज मोहसिन, वंश अग्रवाल, इनाम फरीदी, अमित, निखिल गोयल, ने इस तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए जबरदस्त मेहनत की। इसके अलावा इस दौरान जिलाध्यक्ष नवीन राठी, ब्लाक अध्यक्ष मोनू प्रधान, अतहर हुसैन, राशिद हुसैन,फरहत हुसैन, हाफिज वली उल्लाह काजमी,मोहम्मद अली , अंजार हुसैन एड.नजम अली, सलीम अहमद, नवेद आलम, इरशाद,डॉ फैसल, खुर्रम, तलहा अतहर, अर्शी, सरवर हुसैन, अनवर हुसैन ,मोइन अख्तर,सलमान, अली, गुरूमेल बाजवा, मनीष गोयल, लवी अग्रवाल ,धीरज गर्ग ,शहजाद फरीदी, तनवीर आलम ,कामिल प्रधान ,डॉक्टर महावीर प्रसाद वर्मा ,दीपक माहेश्वरी, ताहिर राठी, मास्टर इरफान मलिक, कमर आलम , सद्दू गौर ,सद्दाम फरीदी , कमर आलम मोइन अख्तर अंसारी,शकील अहमद अंसारी, शईद अंसारी, हाफिज जुल्फिक्कार ,चौधरी विवेक राठी, उस्मान गनी , आदि हजारों लोग कार्यक्रम में शामिल रहे।

मेरठ, बुधवार
28 जनवरी, 2026
मुजफ्फरनगर
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

2032 तक होने लगेगा नैनोमीटर चिप का निर्माण 9
आपरेशन सिंदूर से साबित हुआ स्वदेशी हथियार प्रणालियां दे रहीं मजबूती 11

• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

वर्ष 40 | अंक 47 | पृष्ठ : 20
मूल्य : सात रुपये

अमर उजाला

मेरठ
बुधवार, 28 जनवरी 2026
माघ शुक्ल-दशमी
विक्रम संवत-2082

व्यापार समझौता ईयू को 93 फीसदी निर्यात होगा कर मुक्त, 27 यूरोपीय देशों की 97% वस्तुओं पर टैरिफ में छूट **उत्तर प्रदेश**

देशभक्ति के रंग में रंगा पुरकाजी

सूली वाला बाग तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सूली वाला बाग को करते रहेंगे याद : जहीर फारुकी

ाकियू राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आह्वान पर 26 जनवरी 2026 को पुरकाजी के सूली वाला बाग को शहीद स्थल बनाने की मांग को लेकर हजारों देश भक्तों का अपार जनसैलाब पुरकाजी की सड़कों पर तिरंगा यात्रा के रूप में उमड़ ड़ा। कई किलोमीटर तक सड़कों पर जनसैलाब दिखाई दिया मुजफ्फरनगर के इतिहास में इतनी बड़ी तिरंगा यात्रा पहले कभी नहीं निकल पाई है। जहीर फारुकी चेयरमैन पुरकाजी द्वारा पुरकाजी के सूली वाला बाग को शहीद स्थल घोषित कराने ी मांग 2016 से की जा रही है। पुरकाजी की सड़कों पर उमड़े अपार जनसैलाब पर पुरकाजी के वैश्य समाज के लोगों ने वंश अग्रवाल के साथ पांच ड्रोन से तथा खादर तिराहे पर मरगूब और अनीस ने क्रेन से पुष्पवर्षा की जो कि मुख्य आकर्षण ा केंद्र बनी रही। जगह जगह तिरंगा यात्रा का आमजनों ने फूल मालाएं पहनाकर और मिष्ठान वितरित करके स्वागत किया भारी भीड़ के चलते पुरकाजी की सड़कों पर तिल रखने तक की जगह नहीं थी। पूरे मार्ग पर सिर ही सिर दिखाई दे रहे थे।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत की अध्यक्षता में और चेयरमैन पुरकाजी जहीर फारूकी के नेतृत्व में सूली वाला बाग तक ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा ओर ध्वजारोहण के बाद सामूहिक राष्ट्रगान हुआ राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावनाओं से ओतप्रोत हजारों देशभक्तों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर इस कार्यक्रम को और अधिक सुंदर बना दिया। सूली वाला बाग पर चौधरी राकेश टिकैत और जहीर फारूकी की साथ हजारों की तादात में जनसैलाब ने ध्वजारोहण करके राष्ट्रगान गाया चौधरी राकेश टिकैत ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि जहीर फारुकी ने सूली वाला बाग के इतिहास को उजागर किया है। शहीदों के सम्मान में उनकी दस साल की तपस्या को भंग नहीं होने दिया जाएगा सूली वाला बाग को शहीद स्थल घोषित करवाया जाएगा। मुंबई

ऐतिहासिक है पुरकाजी का सूली वाला बाग

पुरकाजी के सूली वालाबाग पर 1857 में अंग्रेजों ने सामूहिक फांसियां देशभक्तों को दी हैं।

देशभक्तों की शहादतों की वजह से ही हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था लेकिन हिंदुस्तान आजाद होने के बाद भारत की सरकारों ने देश के लिए अपनी जान देने वाले शहीदों के सम्मान में कोई कार्य नहीं किया।

आजादी के 77 साल बाद भी सरदार भगत सिंह सुखदेव राजगुरु अशफाक उल्ला खान सहित देश के शहीदों को शहादत का दर्जा नहीं दिया गया है। सूली वाला बाग को शहीद स्थल नहीं बनाया गया है जबकि शहीदों के नाम

सूली वाला बाग़ तराना

हर फूल हर चराग़ को करते रहेंगे याद
हम सूली वाला बाग़ को करते रहेंगे याद

स्थल शहीदों का बने ये सूली वाला बाग़
इसके लिए खुले रखें अपने दिलो-दिमाग़

54 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या- 25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 8.2°c
अधिकतम 16.0 °c

अमृतवाणी

धैर्य वो ताकत है, जो तूफानों में भी चट्टान बना देती है और वक्त वो जज है, जो बिना अदालत के फैसला सुना देती है।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

संविधान को अपने नीचे समझना ठीक नहीं : अखिलेश यादव

सूर्योदय - 7:10, सूर्यास्त - 5:53

वर्ष : 54/ अंक : 27 | बुधवार, 28 जनवरी 2026 | माघ, शुक्ल पक्ष, दशमी | सम्वत 2082 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ : 4

इस स्पष्ट और ठीक बात को न समझना भी ठीक नहीं......

गणतंत्र दिवस पर पुरकाजी चेयरमैन जहीर फारूकी ने अमर शहीदों की शहादत को दी अनोखी सलामी

● जहीर फारूकी ने सूली वाला बाग के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाया है : राकेश टिकैत